

ग्रसावारण

EXTRAORDINARY

भाग II---- ल ० ड 3--- उपल ० ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 207]

नई दिल्ली, ब्थवार, मार्च 10, 1971/फाल्गुन 19, 1892

No. 207]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 10, 1971/PHALGUNA 19, 1892

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रला संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 10th March 1971

S.O. 1085.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 772, dated the 11th March, 1966, the Management of the industrial undertaking known as the Aurangabad Mills Limited, Aurangabad, bad been taken over by the Authorised Controller referred to therein for a period of five years upto and inclusive of the 10th March, 1971;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of two years;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of section 18(A) of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 10th March, 1973.

[No. F. 11021/8/71-TEX(G).]

B. D. KUMAR, Joint Secy.

विदेश व्यापार मंत्रालय

छ/देश

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1971

का॰ ग्रा॰ 1885.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व वाग्णिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का॰ आ॰ 772, दिनांक, 11 मार्च, 1966 द्वारा औरंगाबाद मिल्स लि॰, औरंगाबाद नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उसमें निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 5 वर्ष की अवधि के लिए 10 मार्च, 1971 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ग्रेहरण कर लिया गया था।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार को राय है कि लोक हिन में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण दो वर्ष की श्रविध के लिए श्रीर बना रहना चाहिए ।

श्रतः श्रम, उद्योग (विकास तथा विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित ग्रादेश का प्रभाव 10 मार्च, 1973 तक के लिए जिसमें यह तारीख भी शामिल है ग्रौर बना रहेगा।

> [सं॰ फा॰ 11021/8/71-टैक्स (जी)] बी॰ डी॰ कुमार, संयुक्त सचित्र।